



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 19, 1986 (आषाढ़ 28, 1908)
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1986 (ASADHA 28, 1908)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह खसग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
501	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
775	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महा-लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
1065	21227
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	447
भाग II—खण्ड 2—विधायक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विम तथा रिपोर्ट	भाग III—खण्ड 3—सूखी आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
*	1297
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस
*	107
	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक
	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1—151GN/86

(501)

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	501	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by general Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	775	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	21227
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1065	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	447
PART II—SECTION I—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION I-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1297
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	167
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1986

सं० 49-प्रेक्ष/86—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बाबू सिंह

(मरणोपरान्त)

कान्स्टेबल सं० सी-525

जिला बदायूं (उत्तर प्रदेश)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

5 मई, 1984 को गधौर के पुलिस उप-निरीक्षक, तीन कान्स्टेबलों के साथ रघुबीर उर्फ नैका, जो महिला गिरोंह का सदस्य था, के घर रघुबीर के खिलाफ कुर्की का एक वारण्ट देने गए। उन्होंने महिला के भाई नेकराम उर्फ नेका को उसी गांव के गज्जू के घर से बाहर आते देखा। कान्स्टेबल बाबू सिंह तुरन्त नेका पर झपटे और उससे देशी एम० बी० बी० एल० बन्दूक छीन ली। घर में छिपे हुए गिरोंह के अन्य सदस्यों ने पुलिस दल, जो खुले में था, पर अन्धाधुंध गोली चलायी शुरू कर दी। पुलिस दल ने मोर्चा सम्भाला, जबाब में गोलियां चलाई और घर में घुसने का प्रयत्न किया। कान्स्टेबल बाबू सिंह हमलावर दल के आगे थे और उनके दायें गाल पर गोली लगी। घायल होने के बावजूद, श्री सिंह ने गोली चलाने का प्रयास किया लेकिन वे गिर पड़े और उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस दल ने अपराधियों का पीछा किया लेकिन वे ऊबड़-खाबड़ और ऊँचे-नीचे भू-भाग का लाभ उठाते हुए बचकर भाग गए।

इस मुठभेड़ में श्री बाबू सिंह, कान्स्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 मई, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 50-प्रेक्ष/86—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद:

श्री रजि लोचन नाथ,

(मरणोपरान्त)

पुलिस सहायक उप निरीक्षक,

हीरापुर थाना,

जिला बर्दवान, प० बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

5 जनवरी, 1984 को श्री रजि लोचन नाथ पुलिस सहायक उप निरीक्षक को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ असामाजिक तत्व जो आतंक हथियारों से लैस हैं, नाबाबंदी थाना हीरापुर में एकत्रित हुए हैं। वे दो कान्स्टेबलों के साथ किराये पर एक टैक्सी लेकर तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना हुए। जब वे अम्बुल बाड़ी रोड और स्टेशन रोड के चौराहे पर पहुंचे तो उन्होंने 10-12 व्यक्तिओं को तेज धार वाले हथियारों को ले जाते हुए देखा। श्री नाथ टैक्सी से उतर कर

उनकी ओर बढ़े और उन्हें अपनी पहचान बताने के लिए ललकारा। उपद्रवियों ने श्री नाथ पर एक बम फेंका। पुलिस दल उपद्रवियों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ता रहा, जो पुलिस दल पर बराबर बम फेंकते रहे। वो बम सीधे श्री नाथ को लगे जिसके परिणामस्वरूप उनकी दाहिनी टांग उड़ गई। गम्भीर रूप से घायल होने के बावजूद श्री नाथ ने तब तक उपद्रवियों पर गोलियां चलाई जब तक वे बेहोश होकर गिर नहीं पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां जख्मों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

इस मुठभेड़ में श्री रजि लोचन नाथ, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 जनवरी, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 51-प्रेक्ष/86—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अवधेश सिंह,

हवलदार,

गोपालगंज (बिहार)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

21 अक्टूबर, 1982 को मुख्य डाकघर, गोपालगंज के श्री किशोर प्रसाद केडिया, कोषपाल तथा श्री राम नारायण राम, पोस्ट मास्टर, ट्रेजरी से मुख्य डाकघर पर एक डाक का बैला रिकशे में ले जा रहे थे जिसमें 1,56,595/- रुपये की नकदी तथा 11,390/- रुपये मूल्य के बीमा पार्सल थे। जैसे ही वे मिज स्टेडियम मार्ग चौराहे पर पहुंचे, कुछ अपराधियों ने उनका रिकशा रोक लिया और बैला छीनने लगे। उनमें से एक अपराधी जिसके पास दो पिस्तौल थे, ने श्री केडिया पर गोली चलाई। जिसके परिणाम स्वरूप, श्री केडिया के हाथ से बैला गिर गया। अपराधियों ने बैला उठाया और भागना चाहा। इसी बीच हवलदार अवधेश सिंह घटनास्थल पर पहुंचे तथा अपराधियों का पीछा किया। अपराधियों ने उन पर गोली चलाई परन्तु वे बाल-बाल बच गये। अपराधियों ने श्री सिंह को अपने आपकी बी० एम० पी० के सहकर्मी बताया तथा उनसे कहा कि वे उनका पीछा न करें परन्तु श्री सिंह उनका लगातार पीछा करते रहे। अपराधियों ने उन्हें लूटी हुई नकदी में से हिस्सा देने का लालच भी दिया। श्री सिंह उनके जाल में नहीं फंसे तथा उन्हें समर्पण करने के लिए चेतावनी दी। अपराधियों ने इस चेतावनी की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया तथा अधाधुंध गोलियां चलाते रहे, परन्तु श्री सिंह ने अपनी जान की परवाह नहीं की और वे अपराधियों को लूटी हुई नकदी के डाक के धैरे महित गिरफ्तार करने में सफल हुए।

इस घटना में, श्री अवधेश सिंह, हवलदार, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 अक्टूबर, 1982 से दिया जाएगा।

सं० 52-प्रेज/86—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी धीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री रणविजय सिंह,
पुलिस निरीक्षक,
थाना सुल्तानगंज,
जिला पटना ।

श्री सतीर अहमद,
पुलिस उप निरीक्षक,
थाना सुल्तानगंज,
जिला पटना ।

श्री दहन सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
थाना सुल्तान गंज,
जिला पटना ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

19 सितम्बर, 1984 को थाना सुल्तानगंज, के पुलिस निरीक्षक, श्री रणविजय सिंह को सूचना मिली कि शस्त्रों से पूरी तरह लैस कुछ अपराधी डाका डालने के विचार से थाना जक्कनपुर के अन्तर्गत मोठापुर कृषि फार्म के पास एकत्र हो रहे हैं। श्री सिंह, ने तुरन्त थाने में उपलब्ध बल को एकत्र किया और शीघ्र जक्कनपुर की ओर खाना हुए। गया रेलवे क्रॉसिंग के पास, इस पुलिस बल को जक्कनपुर का गश्ती दल मिला और सूचना विनिमय के बाद, दोनों दल आगे बढ़े। साढ़ा कपड़ों में दल के दो सदस्यों द्वारा मोर्चा का मुद्रायना करने के बाद, श्री रणविजय सिंह तथा उनके दल ने 7-8 डाकुओं को पूर्ब की ओर से घेर लेने का प्रयास किया। थाना जक्कनपुर के दूसरे दल ने उत्तर दिशा से आड़ ली। ललकारे जाने पर, अपराधियों ने अधाधुंध गोलियाँ चलाई और पश्चिम की ओर भागने लगे। पुलिस दल ने उनका तत्परता से पीछा किया। उन्होंने अंततः “अगर्फी महल” नामक एक बीरान इमारत में शरण ली। श्री सिंह तथा उनके दल ने डाकुओं के बचकर भागने की संभावना को रोकने के लिए उस भवन को पश्चिम तथा उत्तर की ओर से घेर लिया जबकि दूसरे दल ने मुख्य द्वार से उस भवन में प्रवेश किया। यह पता लगने पर कि अपराधियों ने मुश्किल मोर्चा संभाल लिया है और उन पर पूर्ब दिशा से काटू पाना असम्भव है तो श्री सतीर अहमद तथा श्री दहन सिंह उप निरीक्षकों तथा अन्य जवानों को साथ लेकर श्री रणविजय सिंह ने भवन के पश्चिमी कमरे का दरवाजा तोड़ डाला और दीवारों और खम्भों की आड़ लेते हुए अन्दर मोर्चा संभाला। इस पर भी अपराधियों ने हक-हक कर गोली चलाना जारी रखा और पुलिस बल के सभी सदस्यों को घायल कर दिया। जखमी होने के बावजूद, पुलिस बल आरम रक्षा में गोली चलाता रहा। इस भयानक मुठभेड़ में, 4 सशस्त्र डाकू मारे गये तथा अंधेरे की आड़ में 4 अन्य डाकू बचकर भाग गए।

इस मुठभेड़ में श्री रणविजय सिंह, पुलिस निरीक्षक, श्री सतीर अहमद, पुलिस उप निरीक्षक तथा श्री दहन सिंह, पुलिस उप निरीक्षक, ने उत्कृष्ट धीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत धीरता, के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत अंश भी दिनांक 19 सितम्बर, 1984 में दिया जाएगा।

मु० नीलकण्ठन
राष्ट्रपति का उप सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1986

संकल्प

सं० 2-1/85-हिं० नीति—इस मंत्रालय के 9 जनवरी, 1986 के संकल्प संख्या 2-1-85-हिं० नो० के अन्तर्गत श्रीमती वसुंधरा सिंह,

मकान सं० 3-3-899/2, कुटबिगुड, हैबराबाद-500027 को कृषि मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में नामित करने का फैसला किया गया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक-एक प्रति इन सभी को प्रेषित की जाए—प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, उप राष्ट्रपति सचिवालय, भारत का नियंत्रक तथा महा-लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, मुख्य वेतन और लेखा अधिकारी (कृषि मंत्रालय), कृषि मंत्रालय के सभी अधीनस्थ/सम्बद्ध कार्यालय तथा उपक्रम आदि और भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए ।

वीरेन्द्र कोहली
निदेशक (कार्यिक)

कल्याण मंत्रालय

प्रेम डिबिजन

(अनुसंधान यूनिट)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 8 मई 1986

संकल्प

सं० 1-56/85(आर) प्रेम—दिनांक 20 जनवरी 1983 की सरकारी अधिसूचना सं० 1-56/82 (आर) प्रेम के अधिकरण में समाज कल्याण अनु-संधान सम्बन्धी सलाहकार समिति का एतद्वारा निम्नलिखित प्रयोजन के लिए पुनर्गठन किया गया है :—

(क) कल्याण मंत्रालय को

- (1) पवोन्नति, समन्वय और समाज कल्याण, समाज नीति और समाज विकास के सम्बन्ध में अनुसंधान के उपयोग के सम्बन्ध में
- (2) अनुसंधान और अध्ययन के क्षेत्रों के संबंध में
- (3) समाज कल्याण क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने सम्बन्धी अन्य किसी मामलों के सम्बन्ध में, और

(ख) वित्तीय महायन्त्रा के लिए कल्याण मंत्रालय को भेजे गए अनु-संधान प्रस्तावों पर विचार करने और उन्हें अनुमोदित करने के सम्बन्ध में सलाह देने के लिए ।

2. समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. भारत सरकार के अध्यक्ष (पदेन)
सचिव
कल्याण मंत्रालय,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001 ।

2. डा० ए० के० मुखर्जी, सदस्य
निर्देशक
अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा
और पुनर्वास संस्थान,
हाजी अली पार्क,
बम्बई-34 ।

3. प्रो० सदन मोहन सदस्य
ज्योफ और प्रोफेसर
डा० राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली ।

4. डा० जी० जी० प्रभु, अध्यक्ष, क्लीनिकल साइकॉलॉजि, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान, बंगलूर ।	सदस्य	17. निदेशक, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)
5. डा० डी० बी० चन्द्र, नेत्र केन्द्र, प्रो० इमेरिटस, 19-ए, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, इलाहाबाद-211001 ।	सदस्य	18. महा निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संस्थान, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)
6. डा० एम० के० गोयल, इमेरिटस प्रोफेसर, अस्थि शल्य विभाग, के० जी० मेडिकल कॉलेज, लखनऊ ।	सदस्य	19. रजिस्ट्रार जनरल, भारत, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)
7. डा० डी० मोहन मनविकसिता विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली ।	सदस्य	20. निदेशक (प्रेम) कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ।	सदस्य सचिव (पदेन)
8. डा० (कुमारी) आर्मेन्ती एम० देसाई निदेशक, टाटा इन्स्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिज, बम्बई ।	सदस्य	3. समिति के सदस्यों का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1988 तक होगा । सरकार इस अवधि में वृद्धि अथवा कमी कर सकती है ।	
9. प्रोफेसर एम० जेड० खान, अध्यक्ष, समाज कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ।	सदस्य	4. समिति की सदस्यता के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा । परन्तु सरकारी सदस्यों को यह अधिकार होगा कि वे इस संबंध में की गयी यात्रा के लिए अपने-अपने कार्यालयों से नियमानुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता ले सकेंगे । समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए यात्रा के लिए भारत सरकार के प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के लिए स्वीकार्य दरों पर यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता दिया जाएगा । आवेष्ट आवेष्ट दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।	
10. प्रो० के० एन० जार्ज निदेशक मद्रास स्कूल आफ सोशल वर्क, मद्रास ।	सदस्य	एम० सी० नरसिम्हान, संयुक्त सचिव परिवहन मंत्रालय (नागर विमानन विभाग) नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1986 सं० सी० ए० ए० 3/2/84-एच० क्यू०—राष्ट्रपति ने, श्री ए० के० शमसुद्दीन विस्फोटक उप-नियंत्रक को विस्फोटक नियंत्रक के पद पर 19-11-85 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए वेतनमान रु० 1100-1600 में प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है ।	
11. डा० (श्रीमती) ए० आनन्द लक्ष्मी, प्रिंसीपल लेडी इविन कॉलेज, सिकंदरा रोड, नई दिल्ली ।	सदस्य	नवीन सिंह, अवर सचिव शहरी विकास मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1986 संकल्प सं० 11013/3/86-आवास-1—इस समय देश के विभिन्न भागों में स्थित राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन के ग्रामीण आवास स्कन्ध ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के सम्बन्ध में विभिन्न राज्यों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं । ये स्कन्ध स्थानीय भवन निर्माण सामग्रियों और निर्माण तकनीकी के अनुसंधान एवम् उपयोग को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण मकानों के डिजाइन बनाने, उन्नत सामग्रियों के उपयोग को बढ़ावा देने और चुनीदा गांवों में पयविरणीय मुधारों के साथ-साथ प्रदर्शन आवासों के समूह का निर्माण करने में तकनीकी मार्गनिर्देशन प्रदान करते आ रहे हैं और ग्रामीण आवास परियोजना योजनाओं के अन्तर्गत परि- योजनाओं की आयोजना तथा निष्पादन पर लगाए गए तकनीकी कार्मिकों को अभि-विन्यास में प्रशिक्षण भी देते हैं ।	
12. संयुक्त सचिव (विकलांग कल्याण) कल्याण मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)	2. शहरी क्षेत्रों में समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग की आब- ध्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन स्कन्धों की गतिविधियों का विस्तार शहरी क्षेत्रों तक करने की आवश्यकता अनिवार्य होगी है । इन स्कन्धों को, शहरी आवास क क्षेत्र में भी गतिविधियाँ प्रारम्भ करने में सक्षम बनाने की	
13. कार्यकारी निदेशक केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)		
14. निदेशक, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)		
15. महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)		
16. संयुक्त सहायकार (समाज कल्याण) योजना आयोग, नई दिल्ली ।	सदस्य (पदेन)		

दृष्टि से ग्रामीण आवास स्क्वड का नाम बदलकर "क्षेत्रीय आवास विकास केन्द्र" रखने का निर्णय किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाये :—

1. निदेशक, राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन (25 अतिरिक्त प्रतियों सहित)।
2. सचिव, योजना आयोग, नई दिल्ली।
3. उन राज्यों के मुख्य सचिव, जहाँ स्क्वड स्थित हैं।
4. निदेशक, ग्रामीण आवास स्क्वड।

दिनांक 20 जून 1986

संकल्प

सं० एन-11013/2/86-आवास-1—भारत सरकार ने अब तक देश के विभिन्न भागों में 14 आवास विकास केन्द्रों की स्थापना की मंजूरी दी है। आन्ध्र प्रदेश राज्य के ग्रामीण तथा शहरी दोनों ही क्षेत्रों में अधिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के लिए आवास गतिविधियों में तेजी से लाने के उद्देश्य से अब हैदराबाद में तत्काल ही एक आवास केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

2. यह आवास विकास केन्द्र राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के नियंत्रण तथा निर्देशों के अन्तर्गत कार्य करेगा जो कि उन्हें सहायता अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

3. इस केन्द्र का प्रधान एक निदेशक (अवैतनिक आधार पर) होंगे जिनकी सहायता सामान्य रूप से प्रभारी अधिकारी और अन्य तकनीकी स्टाफ करेगा। इस स्क्वड का स्टाफ उस संस्थान (विभाग) पर लागू सेवा शर्तों से प्रभावित होगा जिनके साथ वे सम्बद्ध किए जाते हैं।

4. इस आवास विकास केन्द्र में कार्य निम्नलिखित होंगे :—

- (i) अनुसंधान और स्थानीय भवन निर्माण सामग्रियों और निर्माण तकनीकों तथा ग्रामीण मकानों के डिजाइन को प्रोत्साहन देना।
- (ii) विकसित सामग्रियों तथा तकनीकों के प्रयोग के बारे में प्रचार करना।
- (iii) बचत प्रारंभों में पर्यावरणीय सुधार सहित प्रदर्शन मकानों के समूह का निर्माण।
- (iv) ग्रामीण आवास पर योजनाओं के अन्तर्गत परियोजनाओं की योजना तथा निष्पादन पर लगे तकनीकी कार्मिकों को प्रशिक्षित तथा प्रोत्साहित करना।
- (v) समय-समय पर तथा निर्णीत ग्रामीण आवास से संबंधित अन्य किसी गतिविधि को चलाना।

5. हैदराबाद का यह आवास विकास केन्द्र आन्ध्र प्रदेश राज्य आवास निगम के साथ सम्बद्ध होगा।

आदेश

आदेश किया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. निदेशक, राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन, नई दिल्ली (25 अतिरिक्त प्रतियों सहित)
2. सचिव, योजना आयोग, नई दिल्ली।
3. मुख्य सचिव, आन्ध्र प्रदेश शासन, हैदराबाद।
4. आन्ध्र प्रदेश आवास निगम, हैदराबाद।

आई० पी०यू०, संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1986

संकल्प

सं० यू०-23013/20/84-एल० डब्ल्यू०/बी० एल० (खण्ड)—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I खण्ड 1 में प्रकाशित श्रम मंत्रालय के तारीख 31 जनवरी 1985 के संकल्प संख्या 23013/20/84-एल० डब्ल्यू० जिसमें तारीख 16 अक्टूबर 1985 के संकल्प के तहत संशोधन किया गया था, का आंशिक संशोधन करते हुए, यह निर्णय लिया गया है कि भवन और निर्माण उद्योग संबंधी विशेषज्ञ समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा एक वर्ष और दो माह से बढ़ाकर एक वर्ष और आठ माह कर दी जाए। इसलिए तारीख 31 जनवरी, 1985 के संकल्प संख्या यू० 23013/20/84 एल० डब्ल्यू० के पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित प्रति-स्थापित किया जाएगा :—

"4. उक्त समिति अपने गठन की तारीख से एक वर्ष और आठ माह के अंतर अर्थात् 30 सितम्बर 1986 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।"

आदेश

उक्त संकल्प की प्रति निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. संबंधित सबस्य।
2. सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के श्रम सचिव।

यह भी आदेश दिया जाता है कि उक्त संकल्प को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया जाए।

अशोक नारायण, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1986

सं० यू०-16012/1/86-डब्ल्यू० ई० (एन० एल० आई०)—राष्ट्रीय श्रम संस्थान के, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1880 (पंजाब संशोधन अधिनियम-1957) के अन्तर्गत पंजीकृत सोसायटी है, नियम और विनियमों के नियम 9(1) (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के सचिव, श्री बाबल राम को 12-5-86 से राष्ट्रीय श्रम संस्थान की कार्यकारी परिषद का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

भार० एन० पुरी, उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 8th July 1986

No. 49-Pres/86.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Babu Singh,
Constable No. C/525,
District Badaun,
Uttar Pradesh

(Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded.

On the 5th May, 1984, the Sub-Inspector of Police, Gannaur, alongwith three constables went to the house of Raghubir alias Neka, who was a member of Mahipal gang, to execute a warrant of attachment against Raghubir. They saw one Nekram alias Neka brother of Mahipal coming out of the 'GHER' of Gajjo of the same village. Constable Babu Singh immediately pounced upon Neka and snatched away his country made SBBL gun. The other members of the gang, who were hiding inside the 'BHER' started indiscriminate firing at the Police party, who were in the open. The police party took position, returned the fire and tried to enter the 'GHER'. Constable Babu Singh was in the front of the assault party and was hit by a bullet on his left cheek. Despite his injury, he attempted to return the fire, but fell down and succumbed to his injuries. The police party chased the culprits but they managed to escape taking advantage of the broken undulated terrain.

In this encounter, Shri Babu Singh, Constable, displayed conspicuous gallantry courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th May, 1984.

No. 50-Pres/86.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Rabi Lochan Nath,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Police Station, Hirapur,
District Burdwan (West Bengal).

(Posthumous)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 5th January, 1984, Shri Rabi Lochan Nath, Assistant Sub-Inspector of Police, received information that some anti-social elements, armed with deadly weapons, had assembled at Nabachanti, Police Station Hirapur. He alongwith two constables immediately rushed to the spot in a hired taxi. When they reached at the crossing of Abdul Bari Road and Station Road, they noticed ten to twelve persons carrying sharp-edged weapons. Shri Nath got down from the taxi and proceeded towards them challenging them to reveal their identity. The miscreants threw a bomb at him. The police party advanced further to apprehend the miscreants who continued to throw bombs at the police party. Two bombs made direct hit on Shri Nath as a result of which his right leg was blown up. Despite grave injury, he fired at the miscreants till he fell unconscious. Shri Nath was removed to Hospital where he succumbed to his injuries.

In this encounter, Shri Rabi Lochan Nath, Assistant Sub-Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th January, 1984.

No. 51-Pres/86.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Awadhesh Singh,
Havildar,
Gopalganj.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 21st October, 1982, Shri Kishore Prasad Kedia, Treasurer and Shri Ram Narayan Ram, Post Master of Head Post Office, Gopalganj, were carrying a postal bag containing a cash of Rs. 1,56,595/- and Insured Parcels worth Rs. 11,390/- in a rickshaw from Gopalganj Treasury to Head Post Office. As they reached the Minz Stadium Road crossing, some criminals stopped their rickshaw and started snatching the bag. One of the criminals, who was carrying two pistols, fired at Shri Kedia, whereby the bag slipped from his hand. The criminals picked it up and wanted to run away. In the meantime, Havildar Awadhesh Singh reached the spot and chased the criminals. The criminals fired at him but he escaped narrowly. The criminals disclosed their identity to Shri Singh as his colleagues of B.M.P. and asked him not to chase them but Shri Singh continued to follow them. The criminals also gave him a temptation of sharing the looted cash. Shri Singh, however, did not fall into their trap and warned them to surrender. The criminals did not heed to the warning and were firing indiscriminately in quick succession, but Shri Singh did not care for his own life and succeeded in arresting the criminals with the postal bag containing the looted cash.

In this incident, Shri Awadhesh Singh, Havildar, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st October, 1982.

No. 52-Pres/86.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Bihar Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Ran Vijoy Singh,
Inspector of Police,
Sultanganj P. S.,
District Patna,
Shri Saghir Ahmad,
Sub-Inspector of Police,
Sultanganj P. S.,
District Patna,
Shri Dadan Singh,
Sub-Inspector of Police,
Sultanganj P. S.,
District Patna.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 19th September 1984, Shri Ran Vijoy Singh, Inspector of Police, Sultanganj Police Station, received information that some criminals, fully armed, were collecting near Mithapur Agricultural Farm, Police Station Jakkannur with a view to committing a dacoity. Shri Singh immediately collected the force available at the Police Station and rushed to Jakkannur. Near the Gaya Railway crossing, this police party met the patrolling party of Jakkannur and after exchange of information, both the parties proceeded ahead. After spot verification by two plain clothes members of the party, Shri Ran Vijoy Singh and his party tried to surround the gangsters, who were 7-8 in numbers, from the east. The other party of Jakkannur Police station took cover from the north on being challenged. The criminals opened indiscriminate firing and started fleeing towards the west. The Police party gave them a hot chase, who ultimately took shelter in a deserted building, known as 'Ashra Mahal'. Shri Singh and his party surrounded that building from west and north in order to seal their possible escape, while the other party entered the building from the main entrance. Finding that the criminals had taken a safe position and it was not possible to overpower them from the

east. Shri Ran Vijoy Singh, alongwith Shri Saghir Ahmad and Shri Dadan Singh, Sub-Inspectors and others broke open the door of a room on the west side of the building, and took position inside taking shelter of walls and pillars. Even so, the criminals resorted to intermittent firing and injured all the members of Police party. Despite injuries, the Police party continued to fire in self defence. This gruesome encounter led to the death of 4 armed dacoits and 4 others escaped in the cover of darkness.

In this encounter, Shri Ran Vijoy Singh, Inspector of Police, Shri Saghir Ahmad, Sub-Inspector of Police, and Shri Dadan Singh, Sub-Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th September, 1984.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

New Delhi, the 20th June 1986

RESOLUTION

No. 2-1/85-Hindi Neeti.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 2-1/85-H.N. dated the 9th January, 1986, it has been decided to nominate Smt. Vasundhara Singh, H. No. 3-3-899/2, Kutiviguda, Hyderabad, as a member of the Hindi Salakhar Samiti of the Ministry of Agriculture.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission President Secretariat, Vice-President's Sectt., Comptroller and Auditor General of India, Union Public Service Commission, Chief Pay and Accounts Officer, Ministry of Agriculture. All Departments of the Ministry of Agriculture and their attached/subordinate offices and undertakings etc. and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. KOHLI, Director (Personal)

MINISTRY OF WELFARE

PREM DIVISION

(RESEARCH UNIT)

New Delhi-110 066, the 8th May 1986

RESOLUTION

F. No. 1-56/85(R)PREM.—In supersession of Government notification No. 1-56/82(R)PREM dated 20-1-1983, the Advisory Committee on Social Welfare Research is hereby reconstituted.

(a) to advise the Ministry of Welfare :

(i) on promotion, coordination and utilisation of research in social welfare, social policy and social development;

(ii) on areas of research and study;

(iii) on any other matter relating to the promotion of research in the social welfare sector; and

(b) to consider and approve research proposals submitted to Ministry of welfare for financial support.

2. The Committee will have the following members :

Chairman (Ex-officio)

1. Secretary to the Government of India,
Ministry of Welfare,
Shastri Bhavan,
New Delhi-110 001.

Members

2. Dr. A. K. Mukherjee,
Director, All India Institute of
Physical Medicine and Rehabilitation,
Haji Ali Park Bombay-34.
3. Prof. Madan Mohan
Chief and Professor,
Dr. Rajendra Prasad Centre for
Ophthalmic Sciences, All India
Institute of Medical Sciences,
New Delhi.
4. Dr. G. G. Prabhu, Head,
Deptt. of Clinical Psychology,
National Institute of Mental Health
and Neuro Sciences,
Bangalore.
5. Dr. D. B. Chandra,
Eye Centre, Prof Emeritus,
19-A Lal Bahadur Shastri Marg,
Allahabad-211 001.
6. Dr. M. K. Goel,
Emeritus Professor,
Deptt. of Orthopaedic Surgery,
K. G. Medical College
Lucknow.
7. Dr. D. Mohan,
Deptt. of Psychiatry,
All India Instt. of Medical
Sciences,
New Delhi.
8. Dr. (Miss) Armaity S. Desai,
Director,
Tata Institute of Social
Sciences, Bombay.
9. Prof. M. Z. Khan,
Head,
Deptt. of Social Work,
Jamia Millia Islamia,
New Delhi.
10. Prof. K. N. George,
Director,
Madras School of Social Work,
Madras.
11. Dr. (Mrs) S. Anandalakshmi,
Principal,
Lady Irwin College,
Sikandara Road,
New Delhi.

Member (Ex-officio)

12. Joint Secretary (Handicapped
Welfare),
Ministry of Welfare,
Shastri Bhavan,
New Delhi.
13. Executive Director,
Central Social Welfare Board,
New Delhi.
14. Director,
National Institute of Public
Cooperation & Child Development,
New Delhi.

15. Director General,
Indian Council of Medical Research,
New Delhi.
16. Joint Advisor (Social Welfare),
Planning Commission,
New Delhi.
17. Director,
National Institute of Social,
Defence,
New Delhi.
18. Director General,
Central Statistical Organisation,
New Delhi.
19. Registrar General, India
Ministry of Home Affairs,
New Delhi.

Member Secretary (Ex-Officio)

20. Director (PREM),
Ministry of Welfare,
New Delhi.

3. The tenure of the members of the Committee will be upto 31st December, 1988. Government may extend or curtail this period.

4. No remuneration will be paid for membership of the Committee. The official members will, however, be entitled to draw TA/DA etc. for the journeys undertaken by them in connection with this assignment in accordance with the rules applicable to them from their respective offices. The non-official members of the Committee will be entitled to TA/DA for their journeys to attend meeting, as admissible to First Grade Officers of the Government of India.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India

M. C. NARASIMHAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF TRANSPORT (DEPARTMENT OF CIVIL AVIATION)

New Delhi the 20th June 1986

No. CAS3(2)/84-HQ.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Samsuddin, Deputy Controller of Explosives to the post of Controller of Explosives on deputation basis for a period of one year with effect from 19-11-85 (F/N) in the scale of pay of Rs. 1100-1600/-.

NASIB SINGH, Under Secy.

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 20th May 1986

RESOLUTION

No. N-11013/3/86-HI.—At present the Rural Housing Wings of the National Buildings Organisation, situated at various parts of the country, are catering to the housing needs of the various States in respect of the economically weaker sections of the rural areas. These wings have been providing technical guidance, promoting research and use of local building materials and construction techniques and designing of rural houses, propagating the use of improved materials, constructing clusters of demonstration houses alongwith environmental improvements in selected villages and they also give training in orientation to the technical personnel employed on planning and execution of projects under the rural housing project schemes.

2. The need to expand the activities of the wings to the urban areas has become imperative taking into consideration the requirements of the economically weaker sections of the society in the urban areas. To enable the wings to undertake activities in the field of urban housing also, it has been decided to rename the Rural Housing Wings as 'Regional Housing Development Centres'.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :

1. Director, National Buildings Organisation (with 25 spare copies).
2. Secretary, Planning Commission, New Delhi.
3. Chief Secretaries of the concerned States where the wings are located.
4. Directors of the Rural Housing Wings.

The 20th June 1986

RESOLUTION

No. N-11013/2/86-H.I.—The Government of India have, till now, sanctioned the establishment of 14 Housing Development Centres in various parts of the country. In order to give a boost to the housing activities for the economically weaker section, both in rural and urban areas of the State of Andhra Pradesh, it has now been decided to establish with immediate effect a Housing Development Centre at Hyderabad.

2. The Housing Development Centre will function under the control and direction of the National Buildings Organisation who will provide them financial assistance in the form of grants-in-aid.

3. The Centre will be headed by a Director (Honorary) who will generally be assisted by Officer-in-charge and other technical and supporting staff. The staff of the Centre will be governed by the service conditions applicable to the institution (department) to which they are attached.

4. The function of the Housing Development Centre will be :—

- (i) To promote research and the use of local buildings materials and construction techniques and designing of rural and urban houses.
- (ii) To propagate the use of improved materials and techniques.
- (iii) To construct clusters of demonstration houses along with environmental improvements in selected villages.
- (iv) To train and orient the technical personnel employed on planning and execution of projects under the rural and urban housing project schemes.
- (v) To carry out any other activity connected with Rural/Urban housing as may be decided from time to time.

5. The Housing Development Centre at Hyderabad will be attached with the Andhra Pradesh State Housing Corporation.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. Director, NBO, New Delhi (25 spare copies).
2. Secretary, Planning Commission, New Delhi.
3. Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.
4. Andhra Pradesh State Housing Corporation, Hyderabad.

I. CHAUDHURY, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 27th June 1986

RESOLUTION

No. U-23013/20/84-L.W.—In partial modification of the Ministry of Labour Resolution No. U-23013/20/84-L.W. dated the 31st January, 1985 as amended by the Resolution dated the 16th October, 1985, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I, it has been decided to

extend the time limit for submission of report by the Expert Committee on Building and Construction Industry from one year and two months to one year and eight months. Para 4 of the Resolution No. U-23013/20/84-L.W. dated the 31st January, 1985 will, therefore, be deemed to have been substituted by the following :

- "4. The Committee will submit its report within a period of one year and eight months from the date of its constitution i.e. by 30th September, 1986".

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. Members concerned.
2. Labour Secretaries of all State Governments/U.Ts.

Ordered that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India Extraordinary.

ASHOK NARAYAN, Jt. Secy.

New Delhi, the 23rd June 1986

No. Q-16012/1/86-WE(NLI).—In pursuance of Rule IX(i)(a) of the Rules and Regulations of the National Labour Institute, a Society registered under the Societies Registration Act, 1860 (Punjab Amendment Act, 1957), the Central Government hereby appoint Shri Badal Roy, Secretary, Ministry of Labour, New Delhi as the Chairman of the Executive Council of National Labour Institute w.e.f. 12-5-1986.

R. N. PURI, Dy. Secy.